Monthly Progress Report for the Month of May, 2020
(1st day to last day of the month)

Name of the KVK - Uttarkashi

1. Details of On Farm Trials (OFT) -

Sr. No	Title of OFT	Crop (Variety)	Date of execution	Date of completion	Area (ha)	Achievements							
						No. of Beneficiaries							
						SC/ST		OBC		Others		Total	
						M	F	M	F	M	F	M	F
1.	Management of *Marssonina* blotch in apple orchard	Apple (Royal Delicious)	22/06/19	-	0.2	3	2	4	1			7	3
2.	Assessment of High yielding verities of vegetable pea for mid and lower hills of Uttarkashi District	Vivek Matar 13 Vivek Matar 15	29/11/19	02 / 05 /2020	0.1	2	2	4	2	-	-	6	4

2. Details of Frontline Demonstrations (FLDs) -

Crop (Variety)	Title of FLD	Date of execution	Date of completion	Newly added FLD (ha)	Total Area (ha)	Achievements							
						No. of Beneficiaries							
						SC/ST		OBC		Others		Total	
						M	F	M	F	M	F	**M**	**F**
Oilseeds													
Vegetable	Vegetable Pea	26/11/19	1/5/2020		1.0	-	3	04	26	-	-	04	29
	Onion	05/12/19	2/5/2020		0.5	06	01	06	02	-	-	12	03
Pulses	Lentil	12/11/19	3/5/2020		10.0	-	3	30	47			**30**	**50**
Other crops	Wheat	22/11/19	6/5/2020		10.0	16	23	47	40			**63**	**63**
	Oat	12/11/19	2/5/2020		1.0			7	2			**7**	**2**

2.1Diagnostic Services during the reported month –

Particulars	Achievements								
	No. of visits	No. of Beneficiaries							
		SC/ST		OBC		Others		Total	
		M	**F**	**M**	**F**	**M**	**F**	**M**	**F**
Scientists' visit to farmers' fields	2	12	21	08	15	-	-	20	36
Farmers' visit to KVK									

3. Other extension activities carried out during the reported month

Activity	No.	Achievements								Extension personnel	
		No. of beneficiaries									
		SC/ST		OBC		Others		Total			
		M	F	M	F	M	F	M	F	M	F
M kisan SMS	1										
WhatSapp messages	35										
TV talk	-										
Radio talk	-										
Publications	-										
Extension literature	-										
Magazines/Newsletters	-										
Papers/Articles	2										
Reports	1										
Press releases	5										
Technology Week	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
Important days	-										

4. Messages sent through M-Kisan Portal during the reported month

Mobile Advisory			
Sr. No.	**No. of farmers Covered**	**Messages**	**Write the message sent through M-Kisan Portal**
1.	**7428**	**1**	कोविड -१९ की जानकारी एवं संक्रमित व्यक्तियों से बचने हेतु भारत सरकार द्वारा प्रसारित आरोग्य सेतु एप को अपने मोबाइल पर इनस्टॉल कर इसमें रजिस्ट्रेशन करें तथा अन्य को भी इस एप को इनस्टॉल करने हेतु प्रेरित करें	दिए गए लिंक पर क्लिक करें: https://play.google.com/store/apps/details?id=nic.goi.aarogyasetu स्वयं भी बचें तथा औरों को भी बचाएं	

5. Other activities during the reported month -

Particular	Achievements
Training received by staff of KVK (No.)	-
Revenue generated from sale of produce (Rs.)	18,494.00

6. Crop-wise saplings produced during the reported month

Crop	Name of the Crop/ variety	Quantity (in No)	No. of farmers			
			SC/ST	OBC	Others	Total
Vegetables Seedling	Tomato VLT-4	1800				

7. Details of samples analyzed during the reported month

Details	Through Soil Water lab				Through Mini Soil Water lab Kit			
	No.	No. of Farmers	No. of Villages	Amount realized (Rs.)	No.	No. of Farmers	No. of Villages	Amount realized (Rs.)
Soil Samples tested	-	-	-	-	8	8	4	-
Soil Health card issued	-	-	-	-	-	-	-	-
Water Sample analyzed	-	-	-	-	-	-	-	-

8. Details of programmes conducted in soil health during the reported month

S. No.	Activity/Action Plan	No. of Program	No. of Participants	Thematic Areas/ Agri enterprises/ proven technologies/crops, animal etc.
1.	Interventions of KVK having soil testing facility to provide technological backstopping on soil health cards to Agriculture Departments at district level.			
	a) Training to extension personnel			
	b) Advisories to farmers	06	50	Agri enterprises
	c) Any other intervention (please specify)			

9. Swachh bharat Abhiyan

A) Activities undertaken under Swachh Bharat Abhiyan during the month

S. No.	Action point	Activities undertaken (Describe in bullet form only)
1.	Basic maintenance	Sweeping and cleaning of office corridors, premises and rooms.
2.	Sanitation and SWM	Records are in sink & arranged and there is no need for weeding out old records.
3.	Cleaning and beautification of surrounding areas	Cleaning and beautification of surrounding areas was done under Swachhat Bharat Abhiyan.
4.	Vermin-composting/composting of biodegradable waste management	Vermin-composting/composting of biodegradable waste was managed in vermin-compost unit at KVK
5.	Used water for agriculture/ horticulture application	Used water conservation through LDPE tanks was promoted.
6.	Swachhta awareness at local level	The campaign was also propagated to the farmers at various villages during field visits and diagnostic visits. participated in the event.

B) Total Expenditure under Swachh Bharat Abhiyan during the month

(Any activity undertaken by KVK towards maintaining cleanliness should be reported towards expenditure on Swachh Bharat Action Plan).

S. No.	Particulars	Expenditure (Rs)
1.	Up-keeping of office and residential campus	10,000/-
2.	House-keeping of KVK Guest House and other such facilities	8,394/-
3.	Up-keeping of KVK farm	10,003/-
4.	Recycling of waste material towards reducing garbage and maintaining cleanliness, composting, etc.	-
5.	Expenditures related to any other activity that is taken-up by KVK towards cleanliness, maintenance, white wash, etc	159
	Total	**21,162/-**

*** The fund was utilized from KVK contingency.**

10. Important events conducted by your KVK during the reported month

1. Dr. Pankaj Nautiyal performed the duties as Nodal Officer Static Surveillance Team COVID 19 at Chinyalisaur during lock down periods from 22.03.2020, till date.

2. 50 seed kits were distributed to the rural youth at the COVID 19 screening center at GIC, Chinyalisaur on 19th May, 2020.

3. Dr. Gaurav Papnai performed the duties as Nodal Officer of the Quarantine Center at Chinyalisaur during COVID 19 lock down periods from 23.05.2020, till date.

11. Activities & media coverage of advisories given by KVK, Uttarkashi during lockdown in various NEWS papers in the month of May, 2020.

Seed distribution to rural youth in Quarantine center, Chinyalisaur.

www.facebook.com\rashtriyasahara https://twitter.com/SaharaRashtriya www..rashtriyasahara.com

राष्ट्रीय सहारा

राष्ट्रीयता ■ कर्त्तव्य ■ समर्पण

देहरादून
शनिवार ● 2 मई ● 2020
पृष्ठ 12, वर्ष-13, अंक 4526, मूल्य ₹ 3.00

टेली कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये कृषि विशेषज्ञों ने किसानों से की वार्ता

■ उत्तरकाशी/एसएनबी।

कृषि विज्ञान केन्द्र चिन्यालीसौड़ उत्तरकाशी की ओर से डायल आउट टेलीकांफ्रेंसिंग माध्यम से कृषि विशेषज्ञों ने किसानों से सीधी वार्ता कर उन्हें कोविड 19 के बचाव के बारे में जानकारी दी। इस दौरान किसानों को खेती संबंधी नवीन तकनीक के गुर भी सिखाये गये तथा परम्परागत कृषि विकास योजना के बारे में व्यापक चर्चा करते हुए जैविक खेती को अपनाने पर विशेष जोर दिया गया।

कोरोना के बढ़ते संक्रमण के कारण लाकडाउन के चलते लोग घरों में कैद होने पर कृषि विज्ञान केन्द्र चिन्यालीसौड़ की ओर से इस स्थिति में किसानों के लिए घरों पर ही रहकर एक अनूठी पहल की गयी, जिसके तहत रिलायंस फाउन्डेशन के सहयोग से किसानों से डायल आउट टेलीकांफ्रेंसिंग के माध्यम से वार्ता सत्र का आयोजन किया गया।

कोविड 19 के बचाव के बारे में दी जानकारी

खेत संबंधी नवीन तकनीक के गुर भी सिखायेंगे

कृषि वैज्ञानिकों ने जैविक खेती अपनाने पर दिया जोर

सत्र की शुरुआत केन्द्र के प्रभारी अधिकारी डा. पंकज नौटियाल ने किसानों को कोविड 19 के बचाव के बारे में जानकारी देते हुई की। उन्होंने किसानों को कोरोना से बचने के उपायों के बारे विस्तृत चर्चा की। उन्होंने सभी किसानों को आरोग्य सेतु एप्लीकेशन डाउनलोड करने पर अभार व्यक्त किया गया। डायल आउट टेलीकांफ्रेंसिंग में परंपरागत कृषि विकास योजना के तहत डुंडा विकासखंड के विभिन्न ग्रामों में किये गए कार्यों की समीक्षा भी की गयी। बताया गया कि इस योजना के तहत ओल्या, डांग, मसोन, जसपुर आदि गांवों में लगभग 50 वर्मीकम्पोस्ट पिटो का निर्माण कृषि विज्ञान केन्द्र ने किया।

वार्ता सत्र में किसानों से कृषि से जुड़े तमाम महत्वपूर्ण मुद्दो पर बातचीत की गयी तथा आने वाले समय में किये जाने वाले कृषि संबंधी कार्यों के बारे में विस्तृत चर्चा की गयी। इस दौरान किसानों ने विभिन्न विषयों को लेकर प्रश्न भी पूछे गए जिनका विशेषज्ञों ने उत्तर देते हुए निराकरण किया। डायल आउट टेलीकांफ्रेंसिंग के माध्यम से विशेषज्ञों ने रबी की फसल की कटाई, खरीफ सीजन की कार्ययोजना, खेतों की तैयारी, मृदा परीक्षण, कीट एवं व्याधियों से रोकथाम, अरहर समेत नकदी फसल की बुवाई जैसे तमाम महत्वपूर्ण विषयों पर भी किसानों से विस्तारपूर्वक वार्ता की।

वार्ता सत्र में रिलायंस फाउन्डेशन के परियोजना निदेशक कमलेश गुरुरानी ने कहा कि आगे भी कृषि विज्ञान केन्द्र के सहयोग से इस तरह के डायल आउट टेलीकांफ्रेंसिंग के माध्यम से किसानों को जरूरी जानकारी देकर लाभान्वित किया जायेगा। डायल आउट टेलीकांफ्रेंसिंग में कृषि विज्ञान केन्द्र के डा. गौरव पपनै, नीरज जोशी, रोहिणी खोब्रागडे, वरुण सुप्याल, ख्याली राम, रिलायंस फाउन्डेशन के भूपेंद्र रावत, शशिकांत सेमवाल समेत परम्परागत .षि विकास योजना से जुड़े करीब लगभग 25 से अधिक प्रगतिशील कृषक शामिल रहे।

उत्तरकाशी : डायल आउट टेलीकॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से वार्ता करते कृषि विशेषज्ञ व किसान।

अमर उजाला

6 राज्य • 2 केंद्रशासित प्रदेश • 21 संस्करण

वर्ष 24 | अंक 67 | पृष्ठ : 12
मूल्य : छह रुपये

देहरादून
शनिवार, 2 मई 2020

संक्रमण से बचने का सबसे कारगर तरीका

न हाथ मिलाएं, न लगाएं गले...दूर से नमस्कार

न्यूज डायरी

टेली कांफ्रेंसिंग से दी खेती बागवानी की जानकारी

चिन्यालीसौड़ (उत्तरकाशी)। लॉकडाउन के कारण परेशानी झेल रहे किसानों की मदद के लिए कृषि विज्ञान केंद्र चिन्यालीसौड़ द्वारा डायल आउट टेली कांफ्रेंसिंग सेवा शुरू की गई है। रिलायंस फाउंडेशन के सहयोग से शुरू की गई इस सेवा के तहत कृषि विशेषज्ञों द्वारा जिले के किसानों के साथ सीधा संवाद किया जा रहा है। शुक्रवार को केंद्र के प्रभारी डॉ. पंकज नौटियाल ने टेली कांफ्रेंसिंग कर किसानों को रबी फसल की कटाई, कीटनाशकों के प्रयोग, खरीफ फसल सीजन की कार्ययोजना और केंद्र द्वारा चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी दी। मौके पर कमलेश गुरुरानी, डॉ. गौरव पपनै, नीरज जोशी मौजूद थे।

रविवासरीय

हिन्दुस्तान

तरक्की को चाहिए नया नजरिया

बीस दिन बाद वापसी

उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन पूरी तरह स्वस्थ हैं। पिछले 20 दिनों से मीडिया में चल रही अफवाहों के बीच शुक्रवार को उन्होंने एक कार्यक्रम में हिस्सा लिया। पेज 12

हवाई सेवाएं कोरोना मुक्त शहरों में पहले शुरू होंगी पेज 11

बगैर पाबंदी भी कोरोना के कहर से बचे कई देश पेज 12

रविवार, 03 मई 2020, देहरादून, पांच प्रदेश, 21 संस्करण, विकासनगर/देहरादून

www.livehindustan.com

टेली कॉन्फ्रेंसिंग से की किसानों से बात

उत्तरकाशी | हमारे संवाददाता

कृषि विज्ञान केन्द्र चिन्यालीसौड़ उत्तरकाशी के विशेषज्ञों ने शुक्रवार को डायल आउट टेलीकांफ्रेंसिंग के माध्यम से किसानों से वार्ता की।

जिसमें विशेषज्ञों ने किसानों को रबी की कटाई, खरीफ सीजन हेतु कार्ययोजना, खेतों की तैयारी, मृदा परीक्षण, कीट एवं व्याधियों से रोकथाम, अरहर समेत नकदी फसलों की बुवाई आदि पर चर्चा कर महत्वपूर्ण जानकारी दी। वैश्विक महामारी कोरोना के बढ़ते संक्रमण के कारण लॉकडाउन की स्थिति में जहां लोग घरों में कैद होने को मजबूर है। ऐसे में कृषि विज्ञान केन्द्र चिन्यालीसौड़ ने किसानों के लिए घरों पर ही रहकर डायल आउट टेलीकांफ्रेंसिंग की पहल शुरू की है।

रिलांयस फाउंडेशन के सहयोग से शुरू की गई इस पहल का शुभारंभ शुक्रवार को केविके केन्द्र के प्रभारी अधिकारी डा.पंकज नौटियाल ने किसानों को कोविड 19 से सम्बंधित आवश्यक सलाह देने के साथ की। इस अवसर पर किसानों ने भी आगामी महीनों में किये जाने वाले कार्यों को लेकर विस्तृत चर्चा की। इस मौके पर डा.गौरव पपनै, नीरज जोशी, रोहिणी खोब्रागडे, वरुण सुप्याल, ख्याली राम एवं रिलायंस फाउन्डेशन के भूपेंद्र रावत, शशिकांत सेमवाल समेत परम्परागत कृषि विकास योजना से जुड़े लगभग 25 से अधिक प्रगतिशील कृषक शामिल रहे।

SUNDAY | 03.05.2020 उत्तराखंड amarujala.com

अमर उजाला

वर्ष 24 | अंक 68 | पृष्ठ : 12 | मूल्य : छह रुपये देहरादून • 6 राज्य • 2 केंद्रशासित प्रदेश • 21 संस्करण

घर पर रहें सुरक्षित रहें

कोरोना की चेन तोड़ें

• मास्क पहनें • बार-बार हाथ धोएं

सार्वजनिक दूरी बनाए रखें

रंग लाई मेहनत

मुन्नादेवल के विनोद मैठाणी ने स्वरोजगार से मजबूत की आर्थिकी

मुनीमगिरी छोड़ सब्जी उगाई, चार और को दिया रोजगार

अमर उजाला ब्यूरो

रुद्रप्रयाग। पीजी की पढ़ाई और बीपीएड की ट्रेनिंग भी मुन्ना देवल के विनोद को सरकारी नौकरी नहीं दिला सकी। जीविका के लिए उन्होंने ऋषिकेश के एक व्यापारी के यहां मुनीमगिरी शुरू कर दी। 17 साल यह काम करने के बाद आखिर वह 2015 में गांव लौट आए और अपनी सौ नाली जमीन पर खेतीबाड़ी शुरू कर दी। सब्जी और नगदी फसलें उगाकर वह खुद तो हजारों की कमाई कर ही रहे हैं, चार अन्य को भी उन्होंने रोजगार दिया है।

विनोद के अनुसार डेढ़ दशक तक प्राइवेट नौकरी करके भी उन्होंने जो हासिल नहीं किया, वह उन्हें पांच साल में मिल गया। उन्हें आज इस बात का अफसोस है कि चंद हजार रुपये के लिए शहर की भागमभाग भरी जिंदगी का हिस्सा बने। एक दिन उन्होंने शहर की जिंदगी छोड़कर गांव में अपने बंजर खेतों को फिर से हरा-भरा करने का निर्णय लिया और खुद ही फावड़ा, कुदाल लेकर जुट गए।

रुद्रप्र[illegible]ाग जनप[illegible] के मुन्ना[illegible]वल गांव[illegible] के काश्त[illegible]कार वि[illegible]नोद मैठा[illegible]णी

लॉकडाउन में भी कमाए 50 हजार

विनोद बताते हैं कि वह लॉकडाउन में भी 12 क्विंटल मट[illegible] बेच चुके हैं, जिससे उन्हें 50 हजार रुपये की कमाई हुई है। व[illegible] मटर के साथ ही बीन्स, अदरक और लहसुन का उत्पादन कर र[illegible] हैं। ज्यादातर उनकी मटर खेतों से ही उठ जाती है।

बागवानी खोल सकती है समृद्धि के द्वार

उत्तरकाशी। जिले में सेब आदि फलों की बागवानी किसानों के लिए समृद्धि के द्वार खोल सकती है। सेब उत्पादन में अग्रणी जनपद में अभी तक बागवानी की 50 फीसदी संभावनाओं का भी उपयोग नहीं हो पाया है।

जिले में सेब सहित अन्य फलों की खूब है भरमार

कोरोना महामारी की वजह से हुआ रिवर्स पलायन और आने वाले मंदी के दौर में रोजगार का संकट जिले में बागवानी की संभावनाओं की ओर इशारा कर रहा है। सेब के अलावा जनपद में आड़ू, खुमानी, पुलम, कीवी, चेरी, नैक्ट्रीन, नाशपाती, अखरोट, बादाम आदि की बागवानी की काफी संभावनाएं हैं। जनपद में अभी तक बागवानी योग्य जमीन का महज 40 से 50 फीसदी ही उपयोग में लाया जा रहा है। जिले की फल पट्टी वाले उपला टकनौर, स्योरी नौगांव और आराकोट बंगाण क्षेत्र में किसान बागवानी से सालाना 2 से 10 लाख रुपये तक कमाते हैं। प्रभारी कृषि विज्ञान केंद्र डा. पंकज नौटियाल का कहना है कि रूट स्टाक तकनीकी से तैयार सेब, आड़ू, नैक्ट्रीन, पुलम, चेरी, नाशपाती, अखरोट की बागवानी दो-तीन साल में ही अच्छा नतीजा दे सकती है। बागवानी के क्षेत्र में कटिंग, प्रूनिंग आदि कांर्यों में रोजगार की अच्छी संभावनाएं हैं। सहायक उद्यान अधिकारी एनके सिंह का कहना है कि जिले में बागवानी की अपार संभावनाएं हैं। लोग आगे आएं तो केंद्र पोषित एवं राज्य की बागवानी विकास की योजनाओं की कमी नहीं है। ब्यूरो

अमर उजाला
amarujala.com उत्तराखंड देहरादून | सोमवार, 4 मई 2020

बारिश-ओलावृष्टि ने फिर फसलों पर बरपाया कहर

अमर उजाला ब्यूरो

उत्तरकाशी/बड़कोट/पुरोला। बेमौसमी बारिश और ओलों की मार ने कई जिलों में काश्तकारों की कमर तोड़कर रख दी है। तकरीबन हर दिन शाम को हो रही झमाझम बारिश ने फसलों को भारी नुकसान पहुंचाया है।

भटवाड़ी ब्लॉक के विभिन्न गांवों में ओलों की बरसात से खेतों में खड़ी फसलें बर्बाद हो गई। रविवार दिन में चटक धूप के बाद दोपहर में मौसम ने फिर अंगड़ाई ली और शाम होते होते बड़कोट, नीगांव, पुरोला और मोरी क्षेत्र के गांवों में भारी बारिश और ओलावृष्टि हुई।

आराकोट सेब बेल्ट में तो ओलों की मार से सेब के पेड़ों से फूल, पत्तियों के साथ टहनियां भी टूट गई। रैथल गांव निवासी पंकज कुशवाल, सेकू गांव के कमल सिंह रावत, अगोड़ा के संजय पंवार, हीना गांव के विजयपाल मखलोगा आदि ग्रामीणों ने गांवों में ओलावृष्टि से तबाही की तस्वीर पेश की। किसानों ने सरकार से क्षति का आंकलन कराकर क्षतिपूर्ति की मांग की है।

अगस्त्यमुनि/ऊखीमठ। ब्लॉक की ग्राम पंचायत धारतोंदला, जहरगी, पिल्लू, गणेशनगर, गिंवाला समेत अन्य गांवों में भारी ओलावृष्टि से काश्तकारों की फसलें चौपट हो गई हैं। घरों के आंगन से लेकर खेतों में बड़े-बड़े ओले गिरने से फलदार पेड़ों को भारी नुकसान हुआ है। उधर, ऊखीमठ ब्लॉक के गांवों में भी मूसलाधार बारिश और ओलावृष्टि से फसलों को क्षति पहुंची है।

रविवार को दोपहर बाद आसमान में घने बादल छाने के साथ ही कुछ देर तक अंधड़ चलता रहा। इसके बाद अचानक तेज बारिश के साथ ओले गिरने शुरू हो गए। घरों के आंगन से लेकर खेत-खलियान तक में सब्जी और नगदी फसलें नष्ट हो गई हैं। उधर, ऊखीमठ ब्लॉक के तुंगनाथ और मद्महेश्वर घाटी के गांवों में भी ओलावृष्टि से खेती चौपट हो गई है। धारतोंदला की पूर्व ग्राम प्रधान अनीता देवी ने राजस्व विभाग से नष्ट फसल का आंकलन करने की मांग की है।

सेब के फूल पत्तियों सहित टहनियां तक टूटीं

उत्तरकाशी जिले के भटवाड़ी ब्लॉक के सैंज गांव में ओलावृष्टि से तबाह हुई आलू की फसल।

प्रशासन करेगा नुकसान का आकलन

स्थानीय वासियों की आजीविका चार धाम यात्रा तथा नकदी फसलों के उत्पादन पर टिकी है। कोरोना महामारी के चलते यात्रा ठप है और मौसम की बेरुखी से किसानों की फसलें तबाह हो गई हैं। इस संबंध में प्रशासन को क्षति का आकलन करने के निर्देश दिए गए हैं। सीएम और कृषि मंत्री से भी वार्ता की जा रही है। –गोपाल रावत, विधायक गंगोत्री क्षेत्र।

आजकल रोजाना हो रही ओलावृष्टि से फसलों को काफी नुकसान पहुंच रहा है। राजस्व विभागों की टीमें क्षति के आकलन के लिए संबंधित गांवों में भेजी जा रही हैं। जल्द ही इसकी रिपोर्ट तैयार कर शासन को भेजी जाएगी, ताकि किसानों को मानकों के अनुसार मुआवजा दिया जा सके।
–डॉ. आशीष चौहान, डीएम उत्तरकाशी।

जिले के अधिकांश हिस्सों में आजकल गेहूं की फसल तैयार होने को है। साथ ही सेब आदि फलों का फ्लावरिंग सीजन चल रहा है। खेतों में धान की नर्सरी तैयार करने के साथ ही मटर, मसूर, चना, टमाटर, आलू, गोभी, शिमला मिर्च आदि की खेती हो रही है। ओलावृष्टि इन सभी फसलों के लिए हानिकारक है। –डॉ. पंकज नौटियाल, प्रभारी कृषि विज्ञान केंद्र चिन्यालीसौड़।

राष्ट्रीय सहारा
राष्ट्रीयता ■ कर्तव्य ■ समर्पण
देहरादून
शुक्रवार • 22 मई • 2020
पृष्ठ 12, वर्ष-13, अंक 4546, मूल्य ₹ 3.00

युवाओं को खेती के लिए प्रेरित कर रहा कृषि विज्ञान केंद्र

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

उत्तरकाशी।

लॉकडाउन की अवधि में पुनः गुलजार हुए गांवों के लिये कृषि विज्ञान केन्द्र ने वर्तमान समय में समूचे देश में हर जगह रिवर्स पलायन के चलते घर लौटे युवाओं को खेती के लिये प्रेरित करना शुरू कर दिया है। कृषि विज्ञान केन्द्र चिन्यालीसौड़ विभिन्न गांवों में घर लौटे युवाओं के लिए स्वरोजगार के वैकल्पिक स्रोतों को तलाश रहा है। इसी कड़ी में केंद्र की ओर से घर लौट रहे सैकड़ों युवाओं को आगामी सीजन के लिये उन्नत प्रजातियों के बीज वितरित कर खेती शुरू करने को प्रोत्साहित किया है।

केंद्र के वैज्ञानिकों ने बताया कि घर लौट रहे प्रवासी युवाओं को क्वारंटीन सेंटरों में ही खेती करने के लिये प्रेरित किया जा रहा है। वैज्ञानिकों ने कहा इस समय का युवाओं को सदुपयोग करना चाहिए।

युवाओं को क्वारंटीन सेंटरों में रहकर सब्जियों को उत्पादन करना चाहिए। क्वारंटीन सेंटर में रह रहे युवाओं ने कृषि विज्ञान केंद्र की इस पहल की सराहना की तथा अपने खाली समय का सदुपयोग गांव को गुलजार करने में लगाने के लिये अपनी हामी भरी है। इस दौरान केन्द्र के विशेषज्ञों ने समय समय पर रबी की कटाई सम्बंधी जानकारी, खरीफ सीजन के लिये कार्ययोजना, खेतों की तयारी, मृदा परीक्षण, कीट एवं व्याधियों से रोकथाम, अरहर समेत नकदी फसलों की बुवाई जैसे तमाम महत्वपूर्ण विषयों पर किसानों से विस्तृत चर्चा की। इस मौके पर केंद्र के डा. गौरव पपने, नीजर जोशी, रोहणी खोब्रागड़े, वरूण सुप्याल, खयाली राम आर्य, रमेश आदि मौजूद रहे।